

अनुलग्नक-1

एडीज मच्छर के नियंत्रण के लिए
समेकित वेक्टर प्रबंधन हेतु
दिशा-निर्देश

भारत सरकार
राष्ट्रीय वेक्टरजनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

1. परिचय

एडीज इजिप्टी (एई इजिप्टी) जीका वायरस रोग की मुख्य वेक्टर प्रजाति है। यह वायरस भारत में व्यापक रूप से मौजूद है और घटिया जल प्रबंधन, नॉन-डिग्रेडेबल टायरों और दीर्घकालिक प्लास्टिक के बर्तनों की मौजूदगी के साथ-साथ बढ़ते हुए शहरी संचयों एवं मच्छरों के पनपने के स्थानों को समाप्त करने की आवश्यकता के अनुसार कार्य करने वाले लोगों को लामबंद करने में सार्वजनिक स्वास्थ्य समुदाय की असमर्थता के कारण यह शहरी क्षेत्रों में अधिक आम है। इसके रहने की जगह सामान्यतः ओवरहैड टैंक, भूमिगत जल भंडारण टैंक और सैप्टिक टैंक होते हैं। अर्थात् एई इजिप्टी लगभग पूरी तरह घरों, निर्माण स्थलों और कारखानों में एवं उसके आस-पास पाए जाने वाले मानव-निर्मित जल-भराव के स्थानों पर पनपता है।

लार्वा के रहने के प्राकृतिक स्थान दुर्लभ होते हैं, परंतु इनमें पेड़ों के छेद, पत्तियों के धुरादण्ड और नारियल के खोल शामिल हैं। एई इजिप्टी की संख्या वर्षा और आर्द्रता के साथ घटती-बढ़ती है। अनुकूल दशाओं में एई इजिप्टी के जलीय चरण का जीवन चक्र सात दिनों का (अंडे से निकलने से लेकर वयस्क होने तक का समय) हो सकता है। तथापि, कम तापमानों पर, इसको वयस्क बनने में अनेक सप्ताह तक लग सकते हैं। वर्षा ऋतु में, जब यह अधिक समय तक जीवित रहता है, तब वायरस के फैलने का खतरा अधिक रहता है।

एडीज का ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाव तुलनात्मक रूप से हाल के समय में हुआ है जो ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं एवं अन्य विकास परियोजनाओं के नैटवर्क का स्वास्थ्य पर प्रभाव का मूल्यांकन किए बिना विस्तार, परवर्ती जल भंडारण के साथ जलाभाव, एयर कूलरों के अनुचित उपयोग, डिस्पोजेबल डिब्बों, बोतलों आदि के अनुचित उपयोग, संवर्धित परिवहन प्रणाली के कारण हुआ है।

अतएव, सुरक्षित, लागत प्रभावी जीव-वैज्ञानिक एवं रासायनिक नियंत्रण के जरिये एडीज मच्छरों की नियमित वेक्टर निगरानी एवं समेकित प्रबंधन करके; पर्यावरणीय प्रबंधन एवं कानून बनाकर और परिवार तथा समुदाय स्तरों पर कार्रवाई करके एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाकर जीका वायरस रोग के नियंत्रण की कुंजी है।

2. वेक्टर निगरानी

2.1 लार्वा के लिए सर्वेक्षण: लार्वा के लिए सर्वेक्षण हेतु, बुनियादी नमूना इकाई घर अथवा परिसर होता है, जिसमें जलभराव वाले बर्तनों की तलाश की जाती है। बर्तनों की मच्छरों के लार्वा और प्यूपा की मौजूदगी के लिए जांच की जाती है। सर्वेक्षण के उद्देश्य के आधार पर, एडीज का लार्वा मिलते ही तलाश बंद की जा सकती है, या सभी बर्तनों की जांच किए जाने तक तलाश जारी रखी जा सकती है। प्रयोगशाला जांच के लिए नमूनों के संकलन में प्रजाति की पुष्टि होना आवश्यक है। एई इजिप्टी संक्रमण के स्तरों की निगरानी के लिए सामान्यतः प्रयुक्त चार संकेतक निम्नवत् हैं:

i) घर संकेतक (एचआई): लार्वा और/अथवा प्यूपा से संक्रमित घरों की प्रतिशतता

$$\text{एचआई} = \frac{\text{संक्रमित घरों की संख्या}}{\text{निरीक्षण किए गए घरों की संख्या}} \times 100$$

ii) बर्तन संकेतक (सीआई): लार्वा अथवा प्यूपा से संक्रमित जलभराव वाले बर्तनों की प्रतिशतता

$$\text{सीआई} = \frac{\text{पॉजिटिव बर्तनों की संख्या}}{\text{निरीक्षण किए गए बर्तनों की संख्या}} \times 100$$

iii) ब्रेटो संकेतक (बीआई): निरीक्षण किए गए प्रति 100 घरों पर पॉजिटिव बर्तनों की संख्या

$$\text{बीआई} = \frac{\text{पॉजिटिव बर्तनों की संख्या}}{\text{निरीक्षण किए गए घरों की संख्या}} \times 100$$

iv) प्यूपा संकेतक (पीआई): प्रति 100 घर प्यूपा की संख्या

$$\text{पीआई} = \frac{\text{प्यूपा की संख्या}}{\text{निरीक्षण किए गए घरों की संख्या}} \times 100$$

2.2 वयस्क सर्वेक्षण:

- i) **बैठने/काटने के नमूनों का संग्रह:** मनुष्यों के ऊपर बैठने/काटने के नमूनों का संकलन करना एई इजिप्टी की निम्न स्तरीय जंतुबाधा का पता लगाने का संवेदनशील उपाय है, परंतु यह अत्यधिक श्रमसाध्य है। चूंकि वयस्क पुरुषों की प्रकीर्णन दर कम होती है, अतः उनकी वहां मौजूदगी लार्वा के छुपे हुए स्थान के आस-पास होने का स्पष्ट विश्वसनीय संकेतक हो सकती है। इसे सामान्यतः प्रति पुरुष घंटा बैठने/काटने की गणना के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- ii) **विश्राम के नमूनों का संग्रह:** निष्क्रियता की अवधि के दौरान, वयस्क मच्छर आमतौर पर घरों के अंदर, विशेषतः शयनकक्षों में और अधिकांशतः अंधेरे में, जैसे कपड़ों की कोठरियों और अन्य छुपने के स्थानों पर, विश्राम करते हैं। विश्राम के नमूनों के संकलन के लिए फ्लैशलाइट की सहायता से इन स्थानों पर वयस्क मच्छरों की व्यवस्थित रूप से तलाश करने की जरूरत होती है। प्रत्येक घर के चयनित कक्ष में एक मानक समयबद्ध संकलन रूटीन को अपनाते हुए, घनत्वों को प्रति घर वयस्कों की संख्या के रूप में अथवा मानवी प्रयासों के प्रति पुरुष घंटे की संख्या के रूप में दर्ज किया जाता है।
- iii) **ओविपोजिशन ट्रेप:** ओविट्रेप उन स्थानों पर एई इजिप्टी की मौजूदगी का पता लगाने के लिए प्रयुक्त उपकरण हैं जहां जनसंख्या घनत्व निम्न है और लार्वा सर्वेक्षण बड़े पैमाने पर अनुत्पादक हैं (जहां ब्रेटो संकेतक 5 से कम है) और दशाएं सामान्य हैं। ओविट्रेप का उपयोग प्रौढ़ महिला जनसंख्या पर एडल्टसाइडल स्पेस स्प्रेडिंग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए शहरी क्षेत्रों में एई इजिप्टी की निगरानी के लिए किया जाता है।

3. वेक्टर प्रबंधन

3.1 पर्यावरणीय प्रबंधन

एडीज मच्छर के अपरिपक्व होने के चरणों के नियंत्रण के लिए प्रयुक्त मुख्य पर्यावरणीय प्रबंधन पद्धतियां निम्नलिखित हैं:

- (i) **पर्यावरणीय परिवर्तन:** वेक्टर के स्थानों में दीर्घकालिक भौतिक परिवर्तन। उदाहरणार्थ, संवर्धित जलापूर्ति, ओवरहेड टैंकों, हौद अथवा भूमिगत जलाशयों की मच्छर प्रूफिंग।
- (ii) **पर्यावरणीय बदलाव:** वेक्टर के स्थानों में अस्थायी बदलाव जिसमें “आवश्यक” और “गैर-आवश्यक” बर्तनों का प्रबंधन और “प्राकृतिक” ब्रीडिंग साइटों का प्रबंधन अथवा उन्मूलन शामिल है।
- (iii) **मानव बस्तियों में बदलाव:** दरवाजों/खिड़कियों पर स्क्रीनों के साथ घरों की मच्छर प्रूफिंग द्वारा मनुष्य-वायरस संपर्क को कम करने के प्रयास किए जाते हैं।

3.2 व्यक्तिगत सुरक्षा

सुरक्षित कपड़े पहनना और रेपेलेंटों का प्रयोग करना मच्छरों और अन्य काटने वाले कीड़ों से बचने हेतु व्यक्तिगत सुरक्षा के सामान्य उपाय हैं। घरेलू कीटनाशक उत्पादों, अर्थात्, मच्छर कॉइल्स, पायरेथ्रम स्पेस स्प्रे और एयरोसोलों का मच्छरों से बचने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा हेतु बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता रहा है। जीका नियंत्रण में कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी की उपयोगिता सीमित है क्योंकि वेक्टर प्रजातियां दिन के समय काटती हैं। हालांकि, कीटनाशक उपचारित मच्छरदानी का इस्तेमाल प्रभावी रूप से शिशुओं और दिन के समय सोने वाले श्रमिकों, जो रात में काम करते हैं, के लिए किया जा सकता है।

3.3 जैविक नियंत्रण

- (i) बड़े जल निकायों या पानी के बड़े कंटेनरों में एडीज इजिप्टी के नियंत्रण हेतु लार्वा खाने वाली मछली डाले जाने की सिफारिश जाती है।
- (ii) एंडोटॉक्सिन उत्पादक बैक्टीरिया, बेसिलस थुरिंजिएन्सिस सीरोटाइप एच-14 (बीटी एच-14), एक प्रभावी मच्छर नियंत्रक एजेंट के रूप में पाया गया है।

3.4 रासायनिक नियंत्रण

पानी के बड़े स्थायी कंटेनरों, जहां जलाभाव या अनियमित और अविश्वसनीय जलापूर्ति की वजह से पानी को जमा या संरक्षित किया जाना होता है, के लिए रासायनिक नियंत्रण के उपायों (लारविसाइड, अडल्टीसाइड) की सिफारिश की जाती है।

(i) **लारविसाइड:** चूंकि एडीज इजिप्टी साफ पानी में पैदा होता है, जो घरेलू प्रयोजनों से भंडारित और प्रयुक्त किया जाता है। ऐसे सभी लारविसाइड, जो सुरक्षित हैं, गंधहीन और रंगहीन होते हैं, स्तनधारियों में कम विषाक्तता प्रभाव छोड़ते हैं और स्वास्थ्य के लिए कोई खतरा पैदा नहीं करते, इस्तेमाल किया जाना चाहिए। टेमिफॉस, जो एक ऑर्गेनोफॉस्फेट कम्पाउंड है, उक्त सभी अपेक्षाओं को पूरा करता है तथा यह कीटनाशक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रयुक्त किया जा रहा है। टेमिफॉस (50 ईसी) का अनुप्रयोग की संस्तुत खुराक 1 पीपीएम (1 मिग्रा प्रति लीटर जल) है।

(ii) **एडल्टिसाइड:** वयस्क ऐडिज इजिप्टी मच्छरों के नियंत्रण हेतु निम्नलिखित पद्धतियों की सिफारिश की जाती है:

(क) **पायरेथ्रम स्प्रे:** इनडोर स्थितियों में 30-60 मिलीलीटर प्रति 1000 घन फीट की दर से 0.1%-0.2% के संकेंद्रण पर स्पेस स्प्रे के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। 2% पायरेथ्रम एक्स्ट्रेक्ट के वाणिज्यिक फार्मूलेशन को केरोसिन के 19 हिस्सों (आयतन/आयतन) और 2% पायरेथ्रम एक्स्ट्रेक्ट के एक हिस्से के अनुपात में मिलाया जाता है। 0.1 प्रतिशत पायरेथ्रम फार्मूला बनाने (स्प्रे करने के लिए तैयार) के लिए 2% पायरेथ्रम के एक लीटर को 20 लीटर केरोसिन से डायल्यूट किया जाता है। तनुकरण के बाद, पायरेथ्रम एक्स्ट्रेक्ट का स्प्रे फ्लीट पम्प अथवा माइक्रो-डिस्चार्ज नोजल के साथ फिट की गई हाथ से चलने वाली स्प्रे मशीन से किया जाता है।

(ख) **मैलाथिओन फॉगिंग अथवा अल्ट्रा लो वॉल्यूम (यूएलवी) स्प्रे:** यूएलवी के अनुप्रयोग में, प्रति इकाई पर कम से कम आयतन वाला लिक्विड इनसेक्टिसाइड फार्मूलेशन लागू होता है। अर्थात् कीटनाशक को इस उद्देश्य से 40-80 माइक्रोन्स के आयतन त्रिज्या केंद्र वाली छोटी बूंदों में तोड़ दिया जाता है कि वे एक सही समय तक हवा में रहने वाले और हवा के प्रभाव से चलने वाला कीटनाशक बादल बना लें। यह लक्षित वेक्टर के विरुद्ध अधिकतम प्रभावकारी होता है।

चूंकि कोई तनुकारक प्रयोग में नहीं लाया जाता, अतः यह तकनीक थर्मल फॉगिंग से अधिक लागत प्रभावी है परंतु यह दृश्यमान धुंध नहीं पैदा करती। अपने तकनीकी स्वरूप में अधिकांश ऑर्गेनोफॉस्फोरस कीटनाशकों को यूएलवी स्प्रे के रूप में अनुप्रयुक्त किया जा सकता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत, यूएलवी स्प्रे (फॉगिंग) 95

प्रतिशत अथवा शुद्ध तकनीकी मैलेथियॉन का प्रयोग करके किया जाता है। यूएलवी स्प्रे के लिए प्रयुक्त अधिकांश भूतल उपकरण में पोर्टेबल मोटराइज्ड नैपसैक ब्लोअर और शीत एयरोसोल जनरेटर शामिल हैं।

3.5 विधायी उपाय

समुदायों, विभिन्न एजेंसियों द्वारा जल के भंडारण/उपयोग को विनियमित करने और निर्माण-स्थलों, कारखानों पर मच्छर पैदा होने की दशाओं से बचने के लिए उपयुक्त कानून और उप-विधियां अधिनियमित और कार्यान्वित की जानी चाहिए।

- (i) **आदर्श नागरिक उप-विधियां:** इस अधिनियम के तहत, यदि ब्रीडिंग पाई जाती है तो जुर्माना लगाया/दंड दिया जाता है। मुम्बई, नवी मुम्बई, चंडीगढ़ और दिल्ली नगर निगमों द्वारा इन उपायों को कड़ाई से लागू किया जा रहा है।
- (ii) **भवन-निर्माण विनियमन अधिनियम:** उचित ओवरहेड/अंडर ग्राउंड टैंकों, मच्छर रोधी भवनों, सनशेडों, पोर्टिको आदि के डिजाइनों को जल भराव और मच्छरों की ब्रीडिंग को रोकने वाला बनाने के लिए भवन-निर्माण उप-विधियां बनाई जानी चाहिए। मुम्बई में, कोई भी निर्माण कार्य आरंभ करने से पहले, मालिक/निर्माता मच्छर पनपने की दशाओं को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम के पास शुल्क जमा कराते हैं।
- (iii) **पर्यावरणीय स्वास्थ्य अधिनियम (एचआईए):** जंक, फेंके गए डिब्बों, पुराने टायरों और अन्य मलबे, जहां वर्षाजल का भराव हो सकता है, के उचित निपटान के लिए उपयुक्त उप-विधियां बनाई जानी चाहिए।
- (iv) **स्वास्थ्य प्रभाव मूल्यांकन:** कोई विकास परियोजनाओं/बड़े निर्माणों को शुरू करने से पहले अनिवार्य एचआईए के लिए उचित कानून बनाया जाना चाहिए।

3.6 सामुदायिक जुटाव एवं अंतर-क्षेत्रीय संकेंद्रण के लिए स्वास्थ्य शिक्षा

चूंकि यह समस्या मुख्यतः मनुष्य और उसके पर्यावरण के आस-पास घूमती है, अतः एडीज मच्छर के नियंत्रण के लिए परिवार, समुदाय की भागीदारी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य कार्मिकों तथा समुदाय के बीच सतत संवाद होना चाहिए ताकि लोग एडीज नियंत्रण कार्यक्रम को उनके अपने कार्यक्रम के रूप में स्वीकार कर सकें। समुदाय को लार्वा की ब्रीडिंग से घरों को

मुक्त रखने एवं वयस्क मच्छरों को कम करने/उनका उन्मूलन करने के लिए अपने घरों एवं उनके आस-पास एडीज की ब्रीडिंग के उन्मूलन के कार्य में शामिल करना चाहिए।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, जन-सामूहिक, बार-बार, गहन और सतत व्यवहार परिवर्तन सम्प्रेषण (बीसीसी) अभियान महत्वपूर्ण है। समुदाय को यह आश्वासन अवश्य दिया जाना चाहिए कि यह एक ऐसी बीमारी है जिसकी रोकथाम की जा सकती है और लोगों को इसके फैलने, वेक्टर नियंत्रण विकल्पों, सही उपचार के साथ-साथ सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदान की जानी चाहिए, ताकि समय पर और उचित कार्रवाई की जा सके। जन संचार माध्यमों के जरिये विशेष अभियान चलाए जा सकते हैं जिनमें स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों/पत्रिकाओं, रेडियो और टीवी, विशेषतः स्थानीय केबल टीवी नेटवर्कों और हॉर्डिंगों, माइकों, ढोल बजा कर, रैलियों आदि का उपयोग करना शामिल है। विशेषतः पोस्टरों, पैम्फलेटों, हैंडबिलों, हॉर्डिंगों, समूह चर्चाओं के जरिये व्यक्ति-से-व्यक्ति बातचीत, परंपरागत/लोक संचार माध्यमों के रूप में स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री को विकसित कर व्यापक रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए और इष्टतम उपयोग किया जाना चाहिए।

अलग-अलग स्तरों पर निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है:-

(i) घरेलू स्तर पर

- एडीज इजिप्टी मच्छर दिन के समय काटते हैं। वयस्क मच्छरों को बाजार में उपलब्ध सुरक्षित एयरोसोल्स (पायरेथ्रॉइड-आधारित) से मारा जाना चाहिए। कमरों, जिनमें कोठरियां भी शामिल हैं, बाथरूम तथा रसोईयों में कुछ समय तक स्प्रे (खाने वाले सभी पदार्थों को भली प्रकार ढक दें/हटा दें) करना चाहिए तथा कमरों को 15-20 मिनट तक बंद करके रखना चाहिए। एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने की सर्वाधिक संभावना जैसे सुबह-सुबह और दोपहर बाद स्प्रे का छिड़काव करना चाहिए।
- व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए उपाय, जैसे मच्छरों के काटने से बचने वाले कपड़े (दिन के समय पूरी बाजू की कमीज़ तथा पूरी पैंट) तथा सोते समय, यहां तक कि दिन के समय भी विशेषतया कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का प्रयोग किया जा सकता है। दिन के समय बाजार में उपलब्ध कीटनाशक का प्रयोग करके किया जाता है।

- मच्छरों को मारने अथवा भगाने के लिए मच्छर रेपेलेंटों का उपयोग करना अथवा नीम की पत्तियों, नारियल के खोलों और भूसे को जलाना।
- कसी हुई स्क्रीन/जालीदार दरवाजों और खिड़कियों का प्रयोग करें।
- घरों के आसपास वास्तविक या संभावित लार्वा के स्थानों कम करने के लिए निम्नलिखित प्रयासों को तेज किया जाए:-
 - वेक्टर को नए अंडे देने से रोकने के लिए घर के सभी जल संग्रह करने वाले डिब्बों को ढक कर रखें।
 - पानी की टंकियों, कंटेनरों, कूलरों, पालतू पशुओं के खाने के कटोरे, पक्षियों के स्नान पात्र, गमलों, ड्रिप ट्रे को सप्ताह में एक बार अवश्य खाली करें और सुखाएँ।
 - भरे हुए गटर और खराब जल निकासी वाली छतों की नियमित जांच करें।
 - सजावटी पानी के टैंकों/बगीचे में लार्वा खाने वाली मछलियों (जैसे, गम्बूसिया/गप्पी) को डालें। ये छोटी मछलियाँ मच्छरों के लार्वा को खा जाती हैं।

(ii) सामुदायिक स्तर पर

- लोगों को परिवार के स्तर पर प्रयासों को सम्पूरित और पुनर्बलित करने के लिए समूहों का गठन करना चाहिए। ऐसे समूह वाणिज्यिक क्रियाकलापों, जैसे प्रयोग किए जा चुके टायरों का व्यापार करने वाले व्यापारियों और छोटी निर्माण परियोजनाओं आदि की पहचान कर सकते हैं, जो वेक्टर के लिए लार्वा के रहने की जगह बन सकते हैं।
- समूहों को जीका वायरस रोग पर जागरूकता अभियान शुरू करने चाहिए तथा मच्छरों के काटने से बचने के लिए तथा मच्छरों के प्रजनन की रोकथाम के लिए सहयोग प्राप्त करना चाहिए। लार्वा तथा वयस्क मच्छरों के विरुद्ध निम्नलिखित सामुदायिक क्रियाकलाप भी शामिल किए जा सकते हैं:
 - पानी भंडारण के कंटेनरों को साफ और ढक कर रखना।
 - वातावरण को साफ रखना और बुनियादी स्वच्छता उपायों में सुधार करना।

- मच्छरों को मारने या भगाने के लिए कॉइल जलाना/नीम के पत्ते, नारियल के खोल और भूसे को जलाना तथा आउटडोर प्रजनन स्थलों को समाप्त करना।
- घरों की जांच करने में सहायता करना।
- मच्छरों को मारने के लिए हैंड एयरोसॉलज़ उपलब्ध कराना
- घर के पास वयस्क मच्छरों के ठहरने वाली बाहरी जगहों से खरपतवार एवं छोटी घास को साफ करना
- छोटे बच्चों और शिशुओं को दिन के समय मच्छरों के काटने से बचाने के लिए मच्छरदानी के प्रयोग को बढ़ावा देना और पर्दों व जालियों के भीतर काटने का प्रयास करने वाले या उन पर बैठने वाले मच्छरों को मारने के लिए कीटनाशक उपचारित मच्छरदानी और पर्दों के उपयोग को बढ़ावा देना। समुदाय के स्वामित्व वाली मच्छरदानियों/पर्दों के कीटनाशक उपचार के लिए शिविरों का आयोजन करना।
- यदि पानी के कंटेनरों को खाली नहीं किया जा सकता हो तो, स्वास्थ्य प्राधिकारियों के साथ समन्वय करके साप्ताहिक आधार पर टेमेफोस (1पीपीएम) का प्रयोग करना।
- स्प्रे/फॉगिंग के दौरान परिवारों को समन्वय के लिए संगठित करना।

(iii) संस्थागत स्तर पर (अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों, अन्य संस्थानों, कार्यालयों, आदि में):

- एडीज लार्वा के रहने के स्थान विशेष रूप से ओवरहेड टैंक, भूमिगत जल भंडारण टैंक, एयर कूलर, बागान, फूलदानों, आदि की साप्ताहिक जांच करना।
- निम्नलिखित द्वारा स्रोत उन्मूलन सुनिश्चित करना:
 - पानी के सभी टैंकों को ढक्कन से ऐसे ढकना जिससे उसमें मच्छर न जा सके।
 - प्रत्येक सप्ताह कम-से-कम एक बार पानी के कंटेनरों, कूलरों, गमलों को खाली करना, सुखाना।
 - बंद गटरों और मकान की छतों, जिनकी जल निकासी की व्यवस्था सही नहीं है, की जाँच करना।
 - पानी के सजावटी टैंकों/बगीचे में लार्वा खाने वाली मछलियाँ (जैसे, गैम्बूजिया/गुप्पी) को डालना।

- भीतरी स्थानों में पायरेथ्रम 2% का छिड़काव करना। छिड़काव उस समय किया जाना चाहिए जिस समय में एडीज इजिप्टी मच्छर काटते हैं, जैसे सुबह-सुबह या दोपहर बाद।
- 95% या शुद्ध तकनीकी मलाथिओन से फॉगिंग या अल्ट्रा लो वॉल्यूम (यूएलवी) छिड़काव करना।
- व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए उपाय जैसे सुरक्षित कपड़े (दिन के समय पूरी बाजू की कमीज और पूरा पैंट) पहनना, विशेष रूप से दिन में सोते समय, बाजार में उपलब्ध रेपेलेंटों और मच्छरदानियों, अधिमानतः कीटनाशक उपचारित, का प्रयोग करना।
- खिड़कियों/दरवाजों पर तंग कसी हुई जाली/स्क्रीन लगाना।
- इसके साथ ही, बुखार के मामलों (संदिग्ध/पुष्ट) की सूचना संबन्धित स्वास्थ्य प्राधिकारी तथा संबंधित प्रबंधन को देना।

एडीज वेक्टर नियंत्रण कार्यक्रम की सतत सफलता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह आवश्यक है कि अस्पतालों, स्कूलों/कालेजों, सिविल सोसायटी संगठनों (एनजीओ, विश्वास आधारित संगठनों और निवासियों की तरह समुदाय आधारित संगठनों जैसे निवासी कल्याण संगठनों, स्व-सहायता समूहों), पंचायती राज संस्थाओं/नगर निकायों या इस तरह के स्थानीय स्वशासनों, स्थानीय धार्मिक निकायों, नेहरू युवा केन्द्रों, स्कूलों और कॉलेजों में एनएसएस/एनसीसी इकाइयों जैसे गैर-स्वास्थ्य क्षेत्र के विभागों के साथ ही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तरह व्यावसायिक संगठनों और कॉरपोरेट क्षेत्र की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इन समूहों को जीका वायरस रोग से संबन्धित सभी पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की जानी चाहिए: जैसे यह क्या है, यह कैसे फैलता है और मच्छरों की इसमें क्या भूमिका है, मच्छर कैसे और कहाँ पनपते/रहते हैं तथा इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।